

**नाली स्त्री.** (देश.) 1. जल बहने का पतला मार्ग, जल-प्रवाह-पथ, मोरी 2. घोड़े की पीठ का गड़ढा 3. बैल आदि चौपायों को दवा पिलाने का चोंगा  
**स्त्री.** (तत्.) नाड़ी, धमनी 2. हाथियों की नाकछेदनी 3. करेमू का साग 4. घड़ी 5. कमल की नाल 6. घटिका, 24 मि. का काल।

**नालीकिनी स्त्री.** (तत्.) पद्म समूह, कमल की ठेरी 2. पद्मयुक्त सरोवर।

**नालौट पुं.** (देश.) बात कहकर मुकर जाने वाला, इनकार करने वाला।

**नालौर पुं.** (तद्.) दे. नालौट।

**नाव स्त्री.** (तद्.) लकड़ी, लोहे आदि की बनी हुई जल के ऊपर तैरने या चलने वाली सवारी, जलयान, नौका।

**नावक पुं.** (फा.) एक प्रकार का छोटा बाण, एक खास तरह का तीर 2. मधुमक्खी का डंक पुं. (तद्.) केवट, माड़ी, मल्लाह।

**नावघाट पुं.** (देश.) नावों के ठहरने का घाट, नदी, झील आदि के किनारे का वह स्थान जहाँ नावें ठहरती हो।

**नावड़िया पुं.** (देश.) मल्लाह।

**नावना पुं.** (तद्.) 1. झुकाना, नवाना 2. डालना, गिराना, घुसाना।

**नावर स्त्री.** (देश.) 1. नाव, नौका 2. नदी के बीच नौका-क्रीड़ा।

**नावरा पुं.** (देश.) दक्षिण में होने वाला एक पेड़ जिसकी लकड़ी बहुत साफ, चिकनी और मजबूत होती है; मेज, कुर्सी, आदि सजावट के सामान इसके बहुत अच्छे बनते हैं।

**नावरि स्त्री.** (तद्.) नाव की क्रीड़ा दे. नावर।

**नावौ पुं.** (तद्.) वह रकम जो किसी के नाम लिखी हो।

**नावकिफ पुं.** (फा.+अर.) अनजान, अनभिज्ञ।

**नावाज पुं.** (देश.) मल्लाह।

**नावाजिब पुं.** (फा.+अर.) अनुचित, जो वाजिब न हो।

**नाविक पुं.** (तत्.) मल्लाह, माड़ी, केवट, नाव पर यात्रा कराने वाला।

**नावी पुं.** (तत्.) दे. नाविक।

**नावेल पुं.** (अं.) उपन्यास।

**नाव्य पुं.** (तत्.) 1. नूतनता, नवीनता, नयापन 2. गहरा जल या नदी आदि जो नौका से पार करने योग्य हो।

**नाव्या पुं.** (तत्.) नदी जो नाव से पार की जाए।

**नाश पुं.** (तत्.) न रह जाना, लोप, बरबादी 2. गायब होना 3. संकट 4. पलायन 5. निधन।

**नाशक वि.** (तत्.) 1. नाश करने वाला, ध्वंस करने वाला, मारने वाला 2. दूर करने वाला।

**नाशकारी वि.** (तत्.) नाश करने वाला।

**नाशन पुं.** (तत्.) 1. मृत्यु, मरण 2. विस्मरण, भूलना 3. वि. नष्ट करना 4. हटाना।

**नाशपाती स्त्री.** (तु.) एक फल।

**नाशवान वि.** (तत्.) नाश को प्राप्त होने वाला, नश्वर, अनित्य।

**नाशाइस्ता वि.** (फा.) अनुचित, नामुनासिब, अशिष्ट, असभ्य।

**नाशुक्की स्त्री.** (फा.+अर.) अकृतज्ञता, एहसान फरामोशी।

**नाशता पुं.** (फा.) कलेवा, जलपान, प्रातःकाल का अल्पाहार।

**नाश्य पुं.** (तत्.) नाश के योग्य, ध्वंसनीय, जिसे नष्ट किया जा सके।

**नाष्टिक धन पुं.** (तत्.) खोया हुआ धन।

**नास स्त्री.** (तत्.) 1. वह द्रव्य जो नाक में डाला जाए, वह औषध जो नाक से सूँधी जाए 2. सूँघनी, नाक पुं. नाश।

**नासत्य पुं.** (तत्.) अश्विनी कुमार।

**नासत्या स्त्री.** (तत्.) अश्विनी नक्षत्र।

**नासदान पुं.** (तत्.) सूँघनी की डिबिया।

**नासपाल पुं.** (फा.) 1. कच्चे अनार का छिलका जो रंग निकालने के काम में आता है 2. कच्चा अनार 3. एक प्रकार की आतिशबाजी।